पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-डी.एल. (एन.)/084/2012-14 प्रकाशित: 1.1.2013 इस अंक का मूल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868051444

आर्य महासम्मेलन के संदर्भ में

आवास व्यवस्था हेतु
श्री देवेन्द्र भगत: 9312406810

यजमान बनने हेतु
श्री महेन्द्र भाई: 9013137070

स्टॉल हेतु
श्री गोपाल जैन: 9810756571

सेवा प्रबन्ध हेतु
श्री सन्तोष शास्त्री: 9868754140

ऋषि लंगर सामान देने हेतु
श्री शिशुपाल आर्य: 9971550031

वर्ष-29 अंक-15 पौष-2069 दयानन्दाब्द 189 1 जनवरी से 15 जनवरी 2013 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 1.1.2013, E-mail : aryayouth@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 13 वीं बार मुख्यमन्त्री निवास पर स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस सम्पन्न

मानव को मानव बनाने का कार्य स्वामी श्रद्धानन्द ने किया - डा.सत्यपाल सिंह (आयुक्त,मुम्बई पुलिस)

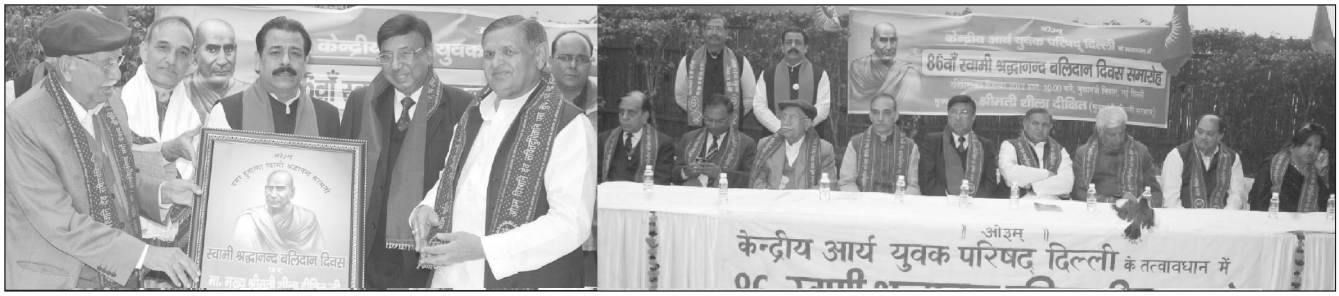

स्वामी श्रद्धानन्द जी के चित्र का लोकापर्ण करते श्री बृजमोहनलाल मुन्जाल, डा.सत्यपाल सिंह, डा.अनिल आर्य, डा.अशोक कुमार चौहान व डा.योगानन्द शास्त्री जी व द्वितीय चित्र में मंच पर बायें से श्री दर्शन अग्निहोत्री, डा.डी.के.गर्ग, श्री बृजमोहनलाल मुन्जाल, डा.सत्यपाल सिंह, डा.अशोक कु. चौहान, डा.योगानन्द शास्त्री, श्री रमाकान्त गोस्वामी, श्री सुरेन्द्र कोहली,श्रीमती प्रवीन आर्या व पीछे खड़े डा.अनिल आर्य व महेन्द्र भाई ।

नई दिल्ली । रविवार, 23 दिसम्बर 2012, आर्य समाज की प्रगतिशील युवा संस्था केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्,नई दिल्ली के तत्वावधान में मुख्यमन्त्री निवास 3, मोतीलाल नेहरू पैलेस में लगातार 13 वें वर्ष सुप्रसिद्ध स्वतन्त्रता सेनानी, गुरूकुल कांगड़ी, हरिद्वार के संस्थापक, मूर्धन्य आर्य संन्यासी ''स्वामी श्रद्धानन्द जी का 86 वां बलिदान दिवस'' समारोह पूर्वक मनाया गया। समारोह में दिल्ली के कौने कौने से सैंकड़ो आर्य प्रतिनिधियों ने उत्साह के साथ भाग लिया ।

डा.सत्यपाल सिंह (आयुक्त,मुम्बई पुलिस) ने कहा कि मानव को मानव बनाने का कार्य स्वामी श्रद्धानन्द ने किया तथा स्वामी श्रद्धानन्द जी का जीवन भटकते लोगों के लिए प्रकाश पुन्ज के समान है । स्वामी श्रद्धानन्द जी ने गुरूकुल शिक्षा प्रणाली को पुन: जीवित किया व समान शिक्षा पद्धति को बढ़ावा दिया ।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनिल आर्य ने कहा कि स्वामी श्रद्धानन्द का जीवन चरित्र पूरे देश के लिए श्रद्धा का केन्द्र बिन्दु हैं, उन्होंने गुरूकुल कांगड़ी जैसी महान शिक्षा संस्था की स्थापना की तथा 1919 में जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद भयभीत अमृतसर में स्वागताध्यक्ष बन कर कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन को सफल बनाया, यह उनकी निर्भिकता का अनुकरणीय उदाहरण है ।

समारोह की अध्यक्षता ऐमिटी शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष डा.अशोक कु. चौहान ने की, उन्होंने युवा शक्ति से स्वामी जी के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया । कु. ऋचा व प्रिया गुलाटी के मधुर भजन हुए तथ वैदिक विद्वान डा. सुन्दरलाल कथूरिया की पुस्तक ''शून्य से शिखर तक'' का विमोचन हुआ । हीरो मोटो कॉर्प के अध्यक्ष श्री बृजमोहनलाल मुन्जाल ने अपनी शुभकामनायें प्रदान की ।

विशेष रूप से दिल्ली विधान सभा के अध्यक्ष डा.योगानन्द शास्त्री,दिल्ली के परिवहन मंत्री श्री रमाकान्त गोस्वामी,परिषद् के महामन्त्री महेन्द्र भाई,शिक्षाविद् डा.डी.के. गर्ग, राजीव कुमार परम, सुरेन्द्र कोहली, दर्शन अग्निहोत्री, डा.सुनील रहेजा, चौ. ब्रह्मप्रकाश मान, रविन्द्र मेहता, कै.अशोक गुलाटी, रामकुमार सिंह, सन्तोष शास्त्री, देवेन्द्र भगत, के.एल.राणा, विनोद कद, अमरनाथ बत्रा, मनोज दुआ आदि उपस्थित थे।

251 कुण्डीय यज्ञ व आर्य महासम्मेलन की तैयारी हेतु आर्य कार्यकर्ता बैठकें: अपने निकट की बैठक में अवश्य पहुँचे

1. पश्चिमी दिल्ली क्षेत्र
रविवार, 6 जनवरी 2013, प्रात: 11 बजे, आर्य समाज, पूर्वी पंजाबी बाग

2. गाजियाबाद क्षेत्र
रविवार, 6 जनवरी 2013, दोपहर 3 बजे, आर्य समाज, नया गन्ज

3. उत्तर पश्चिमी दिल्ली क्षेत्र
शनिवार, 12 जनवरी 2013, प्रात: 11 बजे, आर्य समाज, सरस्वती विहार

4. दक्षिणी दिल्ली क्षेत्र
शनिवार, 12 जनवरी 2013, सायं 4 बजे, आर्य समाज, कालका जी

5. उत्तरी दिल्ली क्षेत्र
रविवार, 13 जनवरी 2013, प्रात: 11 बजे, आर्य समाज, अशोक विहार फेज-3

6. पूर्वी दिल्ली क्षेत्र
रविवार, 13 जनवरी 2013, दोपहर 2.00 बजे, आर्य समाज, सूर्य निकेतन

7. सोनीपत क्षेत्र
रविवार, 13 जनवरी 2013, सायं 4.00 बजे, आर्य समाज, ऋषि नगर

डा.सुन्दरलाल कथूरिया द्वारा स्वामी श्रद्धानन्द जी के जीवन पर लिखित पुस्तक ''शून्य से शिखर तक'' का विमोचन करते डा.योगानन्द शास्त्री व विशिष्ट अतिथि गण व द्वितीय चित्र में उपस्थित प्रबुद्ध आर्य जन कड़ी सर्दी के बावजूद समय से पहले पहुँचे ।

आक्रोश सर्वथा उचित, पर हिंसा अनुचित और अस्वीकार्य - अवधेश कुमार

देश का आक्रोश समझ में आनेवाला है। 16 दिसंबर की रात्रि एक लड़की और उसके दोस्त के साथ जो कुछ हुआ उससे किसी का दिल दहल जाता है। इसमें पुलिस, सरकार या अन्य संबंधित प्राधिकरणों के विरुद्ध कोई भी शब्द छोटा पड़ जाएगा। इसलिए आक्रोशित जन समूह इस समय जो कुछ भी अभिव्यक्त कर रहा है उसमें सूक्ष्म विवेक-अविवेक की खोज बेमानी है। लड़की की दुर्दशा देखकर पहली प्रतिक्रिया यही होती है कि आखिर कोई व्यक्ति ऐसा दरिंदा और इतना बेरहम कैसे हो सकता है। यह केवल सामूहिक बलात्कार का मामला नहीं है। बलात्कार के पहले और बाद में एक एक अंग की निर्दयी चीड़फाड़, तोड़मोड़. ....: की क्रूरता उसे ऐसा अपराध बना देती है जिसके लिए कानून की धाराएं ढूंढनी मुश्किल है। अगर ऐसे जघन्य कांड पर भी लोग आक्रोशित होकर सड़कों पर नहीं उतरते तो फिर यह मरे हुए समुदाय का देश माना जाता। अगर मीडिया की नजर उस घटना पर नहीं पड़ती और लोग सड़कों पर नहीं आते तो राजनीतिक प्रतिष्ठान एवं शासन इसे गंभीर प्राथमिकता के रुप में लेती इसमें संदेह के पर्याप्त आधार मौजूद हैं। शासन की विश्वसनीयता आम नागरिकों की नजर में इतनी संदिग्ध हो चुकी है कि केवल सख्त से सख्त सजा का प्रावधान या तेजी से कानूनी कार्रवाई एवं सजा का बयान इन्हें संतुष्ट नहीं करता।

स्वयं को विवेकशील मानने वाले तबके को ऐसा लगता है कि प्रदर्शनकारी कुछ अति कर रहे हैं। कानून के राज में कोई कितना जघन्य अपराधी हो उसे इस तरह सजा नहीं दी जा सकती जैसी मांग हो रही है। वर्तमान व्यवस्था में अपराधियों को पकड़ने से लेकर आरोप पत्र दायर करने सहित त्वरित न्याय आदि की जो व्यवस्था हो सकती थी सरकार ने किया। वर्तमान न्याय प्रणाली में कानूनी कार्रवाई की जो प्रक्रिया है उसी के तहत कुछ हो सकता है। वैसे भी किसी को फांसी पर चढ़ा देने का कुछ समय तक ऐसे संभावी अपराधियों के मन पर असर हो सकता है, पर फांसी इसे खत्म कर देगा यह संभव नहीं। धनंजय चटर्जी को फांसी से बलात्कार बंद नहीं हुआ। न्याय इस ढंग से लोगों के दबाव में सरेआम संभव नहीं। ऐसे एक कदम से ऐसे ही अराजक न्याय की मांग आरंभ हो जाएगी। यह न भूलिए कि भारत में पुलिस या न्यायालयों में आने वाले मुकदमो में अनेक झूठे भी होते हैं। किंतु भारत के आम नागरिकों की मन:स्थिति क्या है? जब आप चारों ओर से विवश हो जाते हैं तो फिर आपको यह समझ ही नहीं आता कि क्या करें और क्या न करें। यह बताना मुश्किल है कि इंडिया गेट से जंतर मंतर तक सड़कों पर उतरने वाले अलग-अलग पृष्ठभूमि के लोगों ने किस-किस सोच के तहत प्रदर्शन किया है। किंतु, कुछ बातें तो हमारे आपके सामने साफ है। क्या यह सच नहीं है कि आम आदमी की पुलिस या प्रशासन में कोई पूछ नहीं? किसी गरीब परिवार या अकेली लड़की के साथ कुछ हो जाए तो पुलिस का पहला व्यवहार किस तरह होता है? क्या इस देश का कोई अदना आदमी अपने साथ अपराध हो जाने पर सामान्य तौर पर पुलिस के पास जाने की हिम्मत तक जुटा पाता है? न्यायिक प्रक्रिया की असहनीय त्रासदी से पीड़ित मर्माहत होते रहते हैं। आम और प्रभावी लोगों के साथ कानूनी एजेंसियों के व्यवहार में अंतर सबके सामने है। इसलिए एक जघन्य अपराध पर दिख रहे इस उबाल के पीछे शासन-प्रशासन को लेकर व्याप्त सामूहिक क्षोभ की भावना काम कर रही है।

हम यह न भूलें कि आक्रोश की अभिव्यक्ति बिल्कुल अनुशासित तरीके से कभी नहीं होती। जब मेट्रोपोलिटन शहर में चारों से एक दूसरे के जाने-अनजाने लोग गुस्से में शासन के सामने अपना विरोध जताने आ रहे हों तो उनको अनुशासित रखने वाले नेतृत्व का अभाव होता है। इसमें कौन किस क्षण उत्तेजना या नासमझी में क्या कर बैठेगा इसका अनुमान लगाना कठिन होता है। चाहे वह दिल्ली की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित का आवास हो या इंडिया गेट, प्रदर्शनकारियों मे से कुछ अचानक अति उत्तेजित हो गए और फिर पुलिस को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के नाम पर बल प्रयोग का अवसर मिल गया। इंडिया गेट पर पुलिस पर पथराव से लेकर गाड़ियों की तोड़फोड़ और गणतंत्र दिवस परेड के बैरिकेड के लिए लाए गए खंभों का होलिका दहन अहिंसक प्रदर्शन की श्रेणी में नहीं आ सकता। ये सारे दृश्य चिंताजनक थे। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध जो कुछ किया उसकी अलोचना चारों ओर हुई है और होनी भी चाहिए। किंतु हम यह न भूलें कि प्रदर्शनों में कुछ लोगों ने उग्रता का ऐसा हिंसक प्रदर्शन किया जिनके आधार पर पुलिस को ऐसी कार्रवाई करनी पड़ी। अगर पुलिस की अहिंसक तरीके से निपटने की तैयारी नहीं थी तो सारे प्रदर्शनकारी भी अहिंसक नहीं थे। आखिर पुलिस के एक हवल्दार की इंडिया गेट पर घायल होने से मृत्यु हो गई उसकी जिम्मेवारी किसके सिर जाएगा। वे भी हमारे आपकी तरह इस देश का नागरिक ही थे। उनके बच्चे, पत्नी, सगे-संबंधियों पर क्या गुजर रही होगी इसकी भी कल्पना करनी चाहिए। पुलिस पर पत्थर मारना, आंसू गैस के गोले उठाकर उनकी ओर फेंकना, अहिंसक प्रदर्शन कैसे हो सकता है। विरोध या प्रदर्शन का तरीका यही है कि किसी भी अवस्था में आप अहिंसा की लक्ष्मण रेखा न लांघे ताकि आपका पक्ष कमजोर न हो और पुलिस प्रशासन के पास आपके खिलाफ बल प्रयोग करने का आधार ही न मिले। अहिंसक रहकर हम किसी भी शासन व्यवस्था को झुका सकते हैं। बिल्कुल सही कारण के लिए किए जा रहे आक्रोश या विरोध प्रदर्शन के हिंसक होकर किल हो जाने के अनेक वाकये देश और दुनिया में मौजूद हैं।

दुर्भाग्य से इस घटना के संदर्भ में ही दो पहलुओं को नजरअंदाज किया जा रहा है। आज अगर सरकार के निर्णयों के बाद उदारीकरण ने अलग-अलग कारोबारों में चौबीसों घंटे की ड्युटी सामान्य बना दिया है, बाजार, मॉलों, मल्टीप्लेक्सों की संख्या बढ़ रही है और उनसे सरकार के खजाने में कर आ रहा है तो लोगों को चौबीसों घंटे यातायात क्यों उपलब्ध नहीं है? क्यों दस बजे रात के बाद राजधानी में एक कोने से दूसरे कोने तक जाने के लिए हम आप परेशान होकर जो भी सवारी मिलती है उसमें उसकी ही शर्तों पर सवार हो जाते हैं? अगर आसानी से सवारी उपलब्ध होती तो दामिनी अपने दोस्त के साथ उन हैवानों के बहकावे में आकर उस बस पर सवार ही नहीं होती। इसके लिए कौन जिम्मेवार है? दिल्ली मेट्रो मुनाफे में रहे इसलिए रात में उसे पूरी तरह विराम दे दिया गया है। रेडियो टैक्सी से यात्रा में कितने लोग सक्षम होंगे? थ्रीह्वीलर में कई प्रकार के जोखिम हैं और उनका भाड़ा वहन करना भी सबके वश में नहीं। इस तरह पूरी रात सवारी की व्यवस्था न करना शासन का अपराध है और जन आक्रोश को इस संदर्भ में भी देखना होगा। इसी प्रकार पुलिस को देखिए। पुलिस रात्रि में सड़कों पर जिस तरह जेब भरने में मशगूल रहती है आम जनता के प्रति इससे बड़ा अपराध और क्या हो सकता है? बेचारे छोटे लौरी, टेम्पो वाले आवश्यक सामानों को ले जाने के लिए घूस देते हैं। पूरी दिल्ली में अलग-अलग रुटों पर बसों के लिए राशियां तय हैं, आप दीजिए और बसें चलाइए। यह कौन सा कानून का राज है? एक खोमचे वाले से कई कई हजार रुपया महीना लेने का अपराध करने वाली पुलिस के प्रति सम्मान का भाव कहां से पैदा हो सकता है?

हम मानते हैं कि तथाकथित आधुनिक जीवन शैली ने आम युवक-युवतियों में स्वच्छंद उन्मुक्तता का चिंताजनक चरित्र पैदा किया है। हमारा आपका विवेकशील सुझाव उन्हें अपनी आजादी पर अवरोध लगता है। सीधी बात है। बेहतर आदर्श के सफल मिसालों के बिना इस प्रवृत्ति का बढ़ते रहना निश्चित है। मजे की बात कि स्वयं सरकारों ने ही अपनी नीतियों से यह स्थिति पैदा की है और इससे होने वाली समस्याओं से निपटने के लिए उसने व्यवस्था नहीं की। यातायात की पर्याप्त, सुनिश्चित और सुरक्षित व्यवस्था न करना अक्षम्य है। सरकारें कैसे व्यवहार करतीं हैं इसका उदाहरण राजधानी दिल्ली का इंडिया गेट है। एक समय लोग पूरे परिवार के साथ गाड़ियों से इंडिया गेट पर जाते थे और कोई समस्या नहीं थी। राष्ट्रमंडल खेल के पूर्व गाड़ियों का जाना बंद हुआ और उसके बाद कई बंदिशें और...। इससे दिल्ली के नागरिकों में आम आक्रोश है। चूंकि शासन ने व्यवस्थाएं नहीं कीं, यानी उसकी सोच इस दिशा में नहीं गई, इसलिए प्रशासन के अन्य क्षेत्रों में भी उसके अनुरुप बदलाव नहीं आया। पुलिस महकमा इसका सबसे भयानक उदाहरण है। निजी स्वतंत्रता का उन्मुक्त भाव पैदा होने के बावजूद भारतीय पुलिस का आचरण बदला नहीं है। इसलिए व्यवस्था इस आक्रोश से सबक ले और आमूल बदलाव की दिशा में काम करे। लेकिन आंदोलनकारियों को भी यह समझना होगा कि आप हिंसा के द्वारा कोई अभियान सफलतापूर्वक नहीं चला सकते। और सबसे बड़ी बात कानून कितना सख्त बना दें यदि आम समाज मर्यादा और संतुलित जीवन के प्रति सचेष्ट नहीं रहा, किसी अपराध करते हुए व्यक्ति का समूह द्वारा तत्क्षण प्रतिरोध का सामाजिक चरित्र पैदा नहीं हुआ तो फिर सरकार के कदम या कानून ऐसी क्रूरता का अंत कहां से कर पाएंगे!

ई.-30, गणेश नगर, पांडव नगर कॉम्प्लेक्स, दिल्ली-110092,
दूरभाष:- 01122483408, 09811027208

गुरुकुल प्रभात आश्रम का उत्सव 14 जनवरी को

स्वामी विवेकानन्द जी के पावन सान्निधय में गुरूकुल प्रभात आश्रम, टीकरी, भोला झाल, मेरठ का उत्सव सोमवार, 14 जनवरी 2013 को प्रात: 9 बजे से सायं 5 बजे तक मनाया जायेगा । आप सभी आर्य जन सपरिवार सादर आमन्त्रित है ।

॥ ओ३म् ॥

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के 34वें वार्षिकोत्सव पर

सानिध्य : स्वामी सुमेधानन्द जी, स्वामी दिव्यानन्द जी, स्वामी आर्यवेश जी, स्वामी धर्ममुनि जी
आचार्य अखिलेश्वर जी के ब्रह्मत्व व डॉ. अशोक कु. चौहान की अध्यक्षता में

251 कुण्डीय विराट् यज्ञ

एवम्

अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन

25, 26, 27 जनवरी 2013 (शुक्र, शनि व रविवार)

रामलीला मैदान, अशोक विहार, फेज-1, दिल्ली (निकट कन्हैया नगर मैट्रो स्टेशन)

आर्यो की शोभा यात्रा, शुक्रवार 25 जनवरी, 2013, प्रात: 10 बजे

शुभारम्भ : रामलीला मैदान से चलकर वाया मोन्टफोर्ट स्कूल, ब्लाक IA, F, Taxi Stand, दीप मोड़, सी-2, सत्यवती कॉलेज मोड़, बी-2, वजीरपुर टैंकी होते हुए वापस समारोह स्थल पर दोपहर 1.00 बजे समापन।

संयोजक : सर्वश्री देवेन्द्र भगत, के.बी.गुप्ता, शान्तिलाल आर्य, काशीराम शास्त्री, यज्ञवीर चौहान, वेदप्रकाश आर्य, शिशुपाल आर्य, सुरेश आर्य, संतोष शास्त्री, ओमबीर सिंह, गवेन्द शास्त्री, योगेन्द्र शास्त्री, सौरभ गुप्ता, वीरेश आर्य, रविन्द्र मेहता, प्रवीन आर्य, डॉ. मुकेश आर्य, एस.पी.सिंह, राकेश जैन, वेदपाल आर्य, वीरेन्द्र योगाचार्य, श्रीकृष्ण दहिया, स्वतंत्र कुकरेजा, वेदप्रकाश शास्त्री, ब्र.दीक्षेन्द्र।

मुख्य यजमान : सर्वश्री दर्शनकुमार अग्निहोत्री, राजीव कुमार 'परम', डा० डी.के.गर्ग, जितेन्द्र नरुला

शुक्रवार 25 जनवरी, 2013		शनिवार 26 जनवरी, 2013		रविवार 27 जनवरी, 2013	
यज्ञ	: प्रात: 8.30 से 9.30	101 कुण्डीय विराट् यज्ञ	: प्रात: 8 से 10	151 कुण्डीय विराट् यज्ञ	: प्रात: 8 से 10.30
विराट शोभा यात्रा	: प्रात: 10.00 से 1.00	ध्वजारोहण	: प्रात: 10.30 बजे	ध्वजारोहण	: प्रात: 11.00 बजे
वेद-संस्कृत रक्षा सम्मेलन	: दोपहर 2.30 से 5.30	राष्ट्र रक्षा सम्मेलन	: 11.00 से 2.00	राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन	: 11.30 से 2.30
भव्य संगीत संध्या	: रात्री 7.00 से 9.30	आर्य महिला सम्मेलन	: 2.30 से 5.00	शिक्षा संस्कृति रक्षा सम्मेलन	: 2.45 से 5.30
श्री नरेन्द्र आर्य ''सुमन''		व्यायाम शक्ति प्रदर्शन	: 5.00 से 6.30	कार्यकर्ता सम्मान समारोह	: 5.30 से 6.00
श्री एस.एस.गुलशन (जालंधर)		राष्ट्रीय कवि सम्मेलन	: 7.00 से 10.00	धन्यवाद एवम् शांतिपाठ समापन	: सांय 6.15 बजे

हजारों की संख्या में पहुँचकर आर्य समाज की विराट् संगठन शक्ति का परिचय दें

दानी महानुभावों की सेवा में अपील - इस महायज्ञ में उदारतापूर्वक तन-मन-धन से सहयोग दें। ऋषि लंगर के लिए आटा, दाल, चावल, चीनी, घी, सब्जी, मसाले इत्यादि से सहयोग करें। कृपया समस्त धनराशि क्रॉस चैक/ड्राफ्ट द्वारा ''केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली'' के नाम से मुख्य कार्यालय के पते पर भिजवाने की कृपा करें।

1. दिल्ली के बाहर से आने वाले आर्य बन्धु अपने पधारने का समय व अपनी संख्या के बारे में 13 जनवरी, 2013 तक सूचित करने की कृपा करें, जिससे भोजन व आवास आदि का उचित प्रबन्ध किया जा सके।
2. कृपया यजमान बनने के इच्छुक आर्य बन्धु, आर्य समाजें अपना यज्ञकुण्ड 13 जनवरी तक आरक्षित करवा लें।

प्रात: से रात्रि तक निरन्तर 'ऋषि लंगर' का सुन्दर प्रबन्ध रहेगा

निवेदक

डा० अनिल आर्य
राष्ट्रीय अध्यक्ष
महेन्द्र भाई
राष्ट्रीय महामंत्री
दुर्गेश आर्य
राष्ट्रीय मंत्री
राकेश भटनागर
राष्ट्रीय मंत्री
धर्मपाल आर्य
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

यशोवीर आर्य
रामकुमार सिंह
सत्यभूषण आर्य
विश्वनाथ आर्य
कृष्णचन्द पाहूजा
मनोहरलाल चावला
आनन्दप्रकाश आर्य
रामकृष्ण शास्त्री
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

आनन्द चौहान
दीपक भारद्वाज
अरूण बंसल
अविनाश बंसल
प्रदीप तायल
राममेहर सिंह
मुंशीराम सेठी
प्रि० अन्जु महरोत्रा
स्वागत अध्यक्ष

मायाप्रकाश त्यागी
सत्यपाल गांधी
रवि चड्डा
रामलुभाया महाजन
डॉ. वीरपाल विद्यालंकार
ओम व प्रमोद सपरा
ब्रहमप्रकाश मान
डॉ.ओमप्रकाश मान
स्वागत समिति

डॉ.सुन्दरलाल कथूरिया
रामकृष्ण सतीजा
के.एस.यादव
रंजन आनन्द
सुरेन्द्र कोहली
प्रेमपाल शास्त्री
दुर्गाप्रसाद कालरा
माता स्वर्णा गुप्ता
स्वागत समिति

आयोजक: सर्वश्री जितेन्द्र डावर, चत्तरसिंह नागर, सुरेन्द्र गुप्ता, शशिभूषण मल्होत्रा, कांतिप्रकाश आर्य, विमला ग्रोवर, सत्यानन्द आर्य, सरोज भाटिया, सुरेन्द्र शास्त्री, प्रभा सेठी, अर्चना पुष्करणा, शीला ग्रोवर, गायत्री मीना, कै.अशोक गुलाटी, लक्ष्मी सिन्हा, रचना आहूजा, उर्मिला आर्या, सुमन नागपाल, सोमनाथ आर्य, पुष्पलता वर्मा, आदर्श सहगल, सुदेश अरोड़ा, सुदर्शन खन्ना, सत्यवीर पसरीचा, आत्मप्रकाश कालरा, वीरेन्द्र आहूजा, पीताम्बर बाली, के.के.सेठी।

आयोजक : केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजी०)

कार्यालय : आर्य समाज, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली-7, दूरभाष : 9810117464, 9958889970, 9013137070

E-mail : aryayouth@gmail.com, dkbhagat@gmail.com visit us : www.aryayuvakparishad.com

गुरूकुल इन्द्रप्रस्थ फरीदाबाद व गाजियाबाद में स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस सम्पन्न

रविवार, 23 दिसम्बर 2012, गुरूकुल इन्द्रप्रस्थ फरीदाबाद प्रबन्ध समिति के तत्वावधान में स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस सौल्लास सम्पन्न हुआ। समारोह का संचालन केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री सत्यभूषण आर्य (एडवोकेट) ने किया। प्रथम चित्र में मंच पर विशिष्ट अतिथि बायें से श्री राजवीर सिंह, डा.अनिल आर्य, डा.वेदप्रताप वैदिक, श्रीमती व डा.सत्यपाल सिंह, श्री पीतम सिंह (लोकायुक्त,हरियाणा) सपत्निक। गुरूकुल के मंत्री श्री पी.के.मितल ने सभी का आभार व्यक्त किया। आर्य केन्द्रीय सभा व आर्य प्रतिनिधि उपसभा गाजियाबाद के तत्वावधान में स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस पर विशाल शोभायात्रा का आयोजन किया गया तत्पश्चात विशाल श्रद्धांजलि सभा सम्पन्न हुई। इस अवसर पर वैदिक विद्वान आचार्य वागीश जी का अभिनन्दन करते डा.अनिल आर्य, श्री सुभाष सिंघल, स्वामी वेदानन्द जी, श्री रामकुमार सिंह, महेन्द्र भाई। समारोह का सचांलन श्रीमती प्रतिभा सिंघल ने किया।

डॉ. अमिता चौहान ने आर्य समाज नोएडा के कन्या गुरुकुल का किया उद्घाटन

रविवार 16 दिसम्बर 2012, आर्य समाज नोएडा के वार्षिक उत्सव पर आर्ष कन्या गुरुकुल का उद्घाटन करते ऐमेटी इन्टरनेशनल स्कूलस की चेयरपर्सन डॉ. अमिता चौहान। साथ में डॉ. अनिल आर्य, डा. महेश शर्मा (विधायक, अध्यक्ष कैलाश हॉस्पिटल ग्रुप), श्रीमती गायत्री मीना, श्री सुधीर सिंघल आदि। द्वितीय चित्र मे आर्य केन्द्रीय सभा गाजियाबाद के प्रधान श्री सुभाष सिंघल व महामन्त्री श्री प्रवीण आर्य का अभिनन्दन करते स्वामी आर्यवेश जी, डॉ. डी.के. गर्ग, ब्रि. चितरंजन सावंत, डा. जयेन्द्र आचार्य, डॉ. अनिल आर्य व आचार्य वेद प्रकाश श्रोत्रिय, प्रधान कै. अशोक गुलाटी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

परिषद् की फरीदाबाद बैठक व गुरुकुल गौतमनगर का उत्सव सम्पन्न

रविवार 16 दिसम्बर 2012, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् जिला फरीदाबाद की बैठक श्री विमला ग्रोवर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक को परिषद् अध्यक्ष डॉ. अनिल आर्य, चौ. लक्ष्मी चन्द, श्री महेश गुप्ता, श्री सुधीर कपूर, श्री जितेन्द्र सिंह आर्य, श्री वेद प्रकाश शास्त्री आदि ने सम्बोधित किया। संचालन श्री सत्य भूषण आर्य ने किया। द्वितीय चित्र में गुरुकुल गौतमनगर, नई दिल्ली का वार्षिक यज्ञ धूमधाम से सम्पन्न हुआ। चित्र में मंच पर आचार्य स्वामी प्रणवानन्द सरस्वती, स्वामी धर्मेश्वरानन्द सरस्वती, पं. ओम प्रकाश वर्मा, डॉ. धर्मेन्द्र शास्त्री, डॉ. अनिल आर्य, श्री धर्मपाल आर्य दिखाई दे रहे हैं।

दिल्ली में 86वें स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस पर विशाल शोभा यात्रा आयोजित

मंगलवार 25 दिसम्बर 2012, आर्य केन्द्रीय सभा दिल्ली के तत्वावधान में नया बाजार से अजमेरी गेट तक विशाल शोभा यात्रा आयोजित की गई। चित्र में डॉ. अनिल आर्य, प्रवीण आर्या, विश्वनाथ, आचार्य रामचन्द शर्मा, महेन्द्र भाई, यशोवीर, रामकुमार सिंह, वेद प्रकाश, ओमवीर सिंह उद्घोष करते हुए। द्वितीय चित्र में टाऊन हॉल चांदनी चौक में आर्य समाज दीवान हॉल के मंच से सम्बोधित करते डॉ. अनिल आर्य व मन्त्री डॉ. रविकान्त जी।

शोक समाचार: विनम्र श्रद्धांजलि

1. श्री मनोहर लाल चावला (सोनीपत)के भांजे श्री सुदर्शन कुमार श्रीधर का गत दिनो निधन।
2. श्रीमती कृष्णा वन्ती (धर्मपत्नी पं. सत्यपाल पथिक, अमृतसर) का गत दिनो निधन।
3. श्रीमती सरस्वती देवी (माता श्री सत्यपाल सैनी) का गत दिनो निधन हो गया।
4. श्रीमती हरिवंश राय कपूर (माता श्रीमती वन्दिता आनन्द) का 29.12.12 को निधन।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मयंक प्रिंटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548504 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970